independent/exclusive coating unit vis-a-vis the integrated mill would depend upon the extent of value addition and the rates of duty applicable.

(c) and (d) Central sales tax and other taxes, if leviable, on purchase of base paper add to the input costs. The effect of such addition would depend upon several factors including the nature and quantity of base paper used, the nature of inputs used, the operations performed on base paper and the rates of taxes.

Representation made to Fifth Pay Commission

976. SHRI J. S. RAJU: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that the Fifth Pay Commission has declined to entertain submission/representation/memoranda etc. made to it by Unions/associations of employees of instrumentalities of Government of India which are fully funded and controlled by the Government of India; and

(b) if so, what is the justification and rationale thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (b) The Central Pay Commission(s) is/were required to look into emoluments structure etc. of the employees of the Central Government alone. The employees of autonomous/statutory bodies either wholly or substantially controlled and/or financed by the Government are not covered by the terms of reference of the Commission.

काले धन का पता लगाने के लिए योजनाएं

977. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि काले धन का पता लगाने के लिए बनायी गयी सभी योजनाएं विफल रही ह ; और

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान काले धन का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन सी योजनायें आरंभ की गयीं और उक्त अवधि के दौरान वर्ष-वार कितना-कितना काले धन का पता लगाया गया ?

वित्त मत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मर्ति) : (क) और (ख) पिछले पांच वर्षों में सरकार ने काले धन का पता लगाने के लिए एक योजना आरम्भ की है। राष्ट्रीय आवास बैंक योजना को 1991 में अधिसूचित किया गया था। इसका उद्देश्य गन्दी बस्तियों की सफाई और कम लागत वाले आवास बनाने जैसे सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति के निमित्त उपयोग किए जाने हेतु काल धन को जुटाना था। इस योजना के अन्तर्गत 31 जनवरी, 1992 तक जमा की गई कुल धनराशि 153.8 करोड़ रू० थी।

बकाया विदेशी ऋण

978. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992-93 के अन्त में भारत की ओर कुल कितना विदेशी ऋण बकाया था ;

(ख) किस किस देश से कितना कितना ऋण लिया गया था ;